भाषा विषयक क्षमता

अपेक्षा यह है कि बारहवीं कक्षा के अंत तक विद्यार्थियों में भाषा संबंधी निम्नलिखित क्षमताएँ विकसित हों :

अ.क्र.	क्षमता	क्षमता विस्तार
१.	**श्रवण**	१. गद्य, पद्य की रसानुभूति एवं भाषा के आलंकारिक सौंदर्य को सुनना, समझना तथा सुनाना । २. विभिन्न जनसंचार माध्यमों से प्राप्त जानकारी को सुनना तथा उसका उपयोग कर विभिन्न प्रतियोगिताओं में सुनाना । ३. अनूदित साहित्य को सुनना तथा अपना मंतव्य सुनाना ।
२.	**भाषण–संभाषण**	१. विविध कार्यक्रमों में सहभागी होना तथा कार्यक्रम का सूत्र संचालन करना । २. विभिन्न विषयों के परिसंवादों में सहभागी होकर निर्भीकता से चर्चा करना । ३. राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय समकालीन विषयों को चुनकर उनपर समूह में चर्चा का आयोजन करना ।
३.	**वाचन**	१. व्यक्तित्व विकास के लिए विभिन्न महापुरुषों के भाषण तथा साहित्यकारों की रचनाओं का वाचन करना । २. विभिन्न क्षेत्रों के शीर्षस्थ व्यक्तियों की आत्मकथाओं का वाचन करना । ३. विविध विषयों के मूल ग्रंथों का वाचन करना ।
४.	**लेखन**	१. संगणक में प्रयुक्त होने वाली लिपि की जानकारी प्राप्त करते हुए उसका उपयोग करना । २. ब्लॉग लेखन, पल्लवन तथा फीचर लेखन का अध्ययन करते हुए लेखन करना । ३. विभिन्न कार्यक्रमों का संपूर्ण नियोजन करते हुए आवश्यक प्रस्तुति करने हेतु लेखन करना (Event Management) ।
५.	**भाषा अध्ययन (व्याकरण)**	१. रस (शृंगार, शांत, बीभत्स, रौद्र, अद्‌भुत) २. अलंकार (अर्थालंकार) ३. वाक्य शुद्‌धीकरण, काल परिवर्तन, मुहावरे
६.	**अध्ययन कौशल**	१. अंतरजाल (इंटरनेट), क्यूआर कोड, विभिन्न चैनल देखकर उनका उपयोग करना । २. पारिभाषिक शब्दावली – बैंक, वाणिज्य, विधि तथा विज्ञान से संबंधित पारिभाषिक शब्दावली को जानना, समझना तथा प्रयोग करना ।

अनुक्रमणिका

क्र.	पाठ का नाम	विधा	रचनाकार	पृष्ठ
१.	नवनिर्माण	चतुष्पदी	त्रिलोचन	१-४
२.	निराला भाई	संस्मरण	महादेवी वर्मा	५-११
३.	सच हम नहीं; सच तुम नहीं	नयी कविता	डॉ. जगदीश गुप्त	१२-१५
४.	आदर्श बदला	कहानी	सुदर्शन	१६-२२
५.	(अ) गुरुबानी (आ) वृंद के दोहे	पद दोहा	गुरु नानक वृंद	२३-२६ २७-३०
६.	पाप के चार हथियार	निबंध	कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'	३१-३५
७.	पेड़ होने का अर्थ	नयी कविता	डॉ. मुकेश गौतम	३६-४०
८.	सुनो किशोरी	पत्र	आशारानी व्होरा	४१-४६
९.	चुनिंदा शेर	शेर	कैलाश सेंगर	४७-५०
१०.	ओजोन विघटन का संकट	लेख	डॉ. कृष्ण कुमार मिश्र	५१-५६
११.	कोखजाया	अनूदित साहित्य	मूल लेखक - श्याम दरिहरे अनुवादक - बैद्यनाथ झा	५७-६३
१२.	* सुनु रे सखिया * कजरी	लोकगीत		६४-६८

• विशेष अध्ययन हेतु •

क्र.	पाठ का नाम	प्रस्तुति	रचनाकार	पृष्ठ
१३.	कनुप्रिया	काव्य	डॉ. धर्मवीर भारती	६९-७८

• व्यावहारिक हिंदी •

१४.	पल्लवन	एकांकी	डॉ. दयानंद तिवारी	७९-८४
१५.	फीचर लेखन	कहानी	डॉ. बीना शर्मा	८५-९०
१६.	मैं उद्‌घोषक	आत्मकथा	आनंद सिंह	९१-९४
१७.	ब्लॉग लेखन	आलेख	प्रवीण बर्दापूरकर	९५-९९
१८.	प्रकाश उत्पन्न करने वाले जीव	शोधपरक लेख	डॉ. परशुराम शुक्ल	१००-१०४

• परिशिष्ट •

•	मुहावरे	१०५-१०६
•	भावार्थ : गुरुबानी, वृंद के दोहे	१०७
•	सुनु रे सखिया और कजरी	१०८
•	पारिभाषिक शब्दावली	१०९-११०
•	रसास्वादन के मुद्दे	११०